

२१. पहेलिया – मुकरिया

प्रस्तावना

* ज्ञान और हास्य के संगम वाली रचनाओं के रचनाकार **अमीर खुसरो** का जन्म सन **1253** में और निधन **1325** में हुआ था। उनकी रचनाएँ छोटी पर गहरे अर्थ वाली होती हैं। उनके द्वारा लिखी गई पहेलियाँ और मुकरियाँ काफी प्रचलित हैं। उनकी पहेलियों में किसी वस्तु का टेढ़ा-मेढ़ा लक्षण देकर अभिप्रेत वस्तु का नाम पूछा जाता है। मुकरियों में आरंभ में कही गई बात का खंडन करते हुए सही बात की ओर संकेत किया जाता है। यहाँ पहेली तीन पहलियों में दो प्रश्न पूछे गए हैं जिनका उत्तर एक ही है। जिससे हमें हिंदी भाषा के ऐसे शब्दों की जानकारी मिलेगी जिसके दो अलग अलग मतलब होते हैं। तो आइए हम इस पहेलियों को समझते हैं।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. 'तला' शब्द के दो अर्थ बताइए ?

उत्तर : 'तला' शब्द का अर्थ है किसी चीज को गर्म तेल में तलना और इसका दूसरा अर्थ है जूते के नीचे का हिस्सा यानी तल्ला।

२. 'वजीर' में दाने नहीं थे क्या अर्थ है ?

उत्तर : 'वजीर' में दाने नहीं थे यानी वजीर बुद्धिमान नहीं था।

३. ढोल और साजन में क्या समानता है ?

उत्तर : ढोल और साजन बिना शादी नहीं हो सकती, ढोल और साजन की वाणी भी मीठी लगती है।

४. राम भजन बिना कोन नहीं सोता है ?

उत्तर : राम भजन के बिना तोता नहीं सोता है।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. न फेरने पर रोटी, घोड़े और पान की क्या हालत होती है ?

उत्तर : रोटी, घोड़े और पान को फेरना बहुत जरूरी है। रोटी न फेरने पर जल जाती है। घोड़े अड जाता है। और पान सड़ जाता है।

२. चक्की के दो पाटों की क्या विशेषता बताई है ?

उत्तर : एक महिला के दो बच्चों की तरह दो नो पाटों का रंग एक सा होता है। दो नो में अंतर इतना ही होता है की उसमें से एक पाटा चलता है और दूसरा स्थिर रहता है। इसके बावजूद दोनों हमेशा साथ साथ रहते हैं।

३. लोटा क्या -क्या करता है ?

उत्तर : जब भी प्यास लगती है लोटा मांग ने पर जल भरकर ला देता है । वह लोगो की प्यास बुझाता है । लोटा देख ने मे छोटा लगता है पर उसमे पानी ज्यादा आता है ।

